प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

केन्द्रीय कृषिमंत्री एवं मुख्यमंत्री ने पंतनगर के अधिकारियों के साथ बैठक की

पंतनगर। २७ फरवरी, २०१८। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधा मोहन सिंह एवं उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री, श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत एवं उत्तराखण्ड के कृषि मंत्री, श्री सुबोध उनियाल, ने आज प्रशासनिक भवन स्थित कुलपति के सभागार में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, वैज्ञानिक व अधिकारियों के साथ बैठक की। विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा ने बैठक में तीनों मंत्रियों एवं उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया।

श्री राधा मोहन सिंह ने पंतनगर विश्वविद्यालय को एक आर्थिक रूप से लाभकारी संस्था के रूप में विकसित कर किसानों के समक्ष एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किये जाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के पास हजारों एकड़ जमीन उपलब्ध है, जिससे इसकी आय में कई गुना वृद्धि की जा सकती है तथा इसे दिखाकर किसानों को अपनी छोटी जोतों से आय को दोगुना करने के लिए आश्वस्त किया जा सकता है, तभी वे कृषि की ओर आकर्षित हो पायेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय में समन्वित खेती के भिन्न-भिन्न मॉडल विकसित कर उनके खर्च व आमदनी को दर्शाते हुए किसानों को दिखाये जाने की आवश्यकता बतायी। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने विश्वविद्यालय के सभी कार्मिकों को विश्वविद्यालय के कार्य को सरकारी कार्य की भावना से न कर पारिवारिक भावना से कार्य करने के लिए कहा। साथ ही उन्होंने चार वैज्ञानिकों के समूह द्वारा चार गांवों को गोद लिये जाने का भी सुझाव दिया ताकि उत्तराखण्ड की न्याय पंचायतों के अधिकतर गांवों को वैज्ञानिकों द्वारा गोद लिया जा सके। श्री राधा मोहन सिंह ने वर्ष २०१८ को मोटे अनाजों के वर्ष के रूप में मनाये जाने के बारे में भी बताया तथा विश्वविद्यालय द्वारा भी इस ओर कार्य किये जाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि देश बदल रहा है तथा इस बदलाव के पीछे अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। अतः कृषि में बदलाव भी कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों व कृषि से संबंधित सभी अधिकारियों द्वारा ही लाया जायेगा। उन्होंने आशा प्रकट की कि पंतनगर विश्वविद्यालय संतुलित उर्वरक व समन्वित खेती के तरीकों से दूसरी हरित क्रांति के जनक के रूप में उभरेगा।

मुख्यमंत्री, श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने बैठक में बोलते हुए कहा कि उनकी सबसे बड़ी चिन्ता पहाड़ों के तेजी से खेती विहीन होने की है। उन्होंने कहा कि इसके मुख्य कारण पानी का अभाव, बिखरी खेती एवं वन्य जीवों का गांवों तक पहुंचना है। वैज्ञानिकों को इन सब कारणों के समाधान हेतु शोध किये जाने की आवश्यकता है साथ ही खेती को लाभप्रद बनाने की तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने की आवश्यकता है, ताकि खेतों को आबाद किया जा सके, पशुओं को चारा मिल सके तथा वन्य जीवों को गांवों से दूर भोजन उपलब्ध हो सके। उन्होंने उत्तराखण्ड की ६७० न्याय पंचायतों में वृद्धि केन्द्र (ग्रोथ सेंटर) विकसित किये जाने की योजना के बारे में भी बताया।

बैठक के अन्त में कुलपति प्रो. मिश्रा ने केन्द्रीय कृषि मंत्री, मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कृषि मंत्री तथा बैठक में उपस्थित सभी वैज्ञानिक एवं अधिकारियों का धन्यवाद किया।

प्रातः १०:३० बजे से केन्द्रीय कृषि मंत्री, मुख्यमंत्री एवं उत्तराखण्ड के कृषि मंत्री ने पंतनगर विश्वविद्यालय के उद्यान अनुसांधान केन्द्र एवं प्रजनक बीज उत्पादन केन्द्र का भ्रमण भी किया तथा वहां चल रहे विभिन्न प्रयोगों व विभिन्न फसलों की उन्नत प्रजातियों के बीजों के उत्पादन संबंधी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने यहां चल रहे कार्यों की सराहना की।

श्री राधा मोहन सिंह, श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत एवं श्री सुबोध उनियाल पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए।

विश्वविद्यालय के उद्यान अनुसंधान केन्द्र का भ्रमण करते श्री राधा मोहन सिंह एवं श्री सुबोध उनियाल; साथ में विश्वविद्यालय के कुलपति एवं वैज्ञानिक।